



विषय-वस्तु

1. किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम सह किसान गोष्ठी, 22-24 जुलाई 2021
2. मूँगफली किस्मों में SCMR और SLA की विविधता : WUE के योग्य क्रियात्मक निर्धारक
3. भा.कृ.अनु.प- मूँगफली अनुसंधान निदेशालय में वृक्षारोपण अभियान तथा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन
4. आलू परती प्रणालियों के लिए क्षमतावान मूँगफलीकी प्रजनन लाइनें
5. भा.कृ.अनु.प-मूँगफली अनुसंधान निदेशालय मे 28-30 जुलाई तक तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सह किसान गोष्ठी का आयोजन
6. 75 वें स्वतंत्रता दिवस - 2021 के अवसर पर भा.कृ.अनु.प.-मूँगफली अनुसंधान निदेशालय, क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, बीकानेर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया
7. भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय शुष्क भूमि कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक द्वारा भा.कृ.अनु.प.-मूँगफली अनुसंधान निदेशालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र,अनंतपुर का दौरा
8. फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0" का 29 सितंबर 2021 को आयोजन
9. अतिपरजीविता: कीलोमेनस सक्समैकुलाटा प्यूपा पर मर्मिथिड सूत्रकृमि
10. भा.कृ.अनु.प- मूँगफली अनुसंधान निदेशालय में हिंदी सप्ताह का आयोजन, 14-21 सितम्बर, 2021
11. प्रशिक्षण / कार्यशाला / पुरस्कार
12. कार्मिक

Contents

1. Farmer training programme cum Kisan Goshti conducted at ICAR-DGR, Junagadh.
2. Varietal differences in SCMR/SLA: pertinent physiological determinants of WUE in groundnut
3. Tree plantation campaign-cum-Awareness program conducted at ICAR-DGR, Junagadh on the occasion of ICAR foundation day
4. Potential groundnut breeding lines for potato fallow cropping systems
5. Farmer training programme cum Kisan Goshti conducted at ICAR-DGR, Junagadh from 28-30th July, 2021
6. National flag hoisted at ICAR-DGR RRS, Bikaner on the occasion of 75th Independence Day
7. Visit of Director, ICAR-CRIDA, Hyderabad to ICAR-DGR, RRS, Ananthapur
8. "FIT INDIA FREEDOM RUN 2.0" organized on 29 September, 2021
9. Hyperparasitism: Mermithid nematodes on *Cheilomenes sexmaculata* pupa
10. भा.कृ.अनु.प- मूँगफली अनुसंधान निदेशालय में हिंदी सप्ताह का आयोजन, 14-21 सितम्बर, 2021
11. Trainings / webinars attended / Awards
12. Personnel

संपादक : सुष्मिता सिंह, अजय बी.सी., कीर्ती रानी,
रजाराय चौधरी, विद्या चौधरी, लोकेश कुमार,
पापाराय वैकुण्ठपु, राजन्ना जी.ए., एम.के. महात्मा,
एस.के.बेरा

Editors: Sushmita Singh, Ajay B.C., Kirti Rani, Raja
Ram Chaudhary, Vidya Chaudhari, Lokesh
Kumar, V. Papa Rao, Rajanna G.A., Mahesh
Kumar Mahatma, S.K. Bera

प्रकाशक :

निदेशक

भा.कृ.अनु.प. मूँगफली अनुसंधान निदेशालय
(आई. एस.ओ. 9001:2015 प्रमाणित संस्थान)
पोस्ट बॉक्स नं.5, इवनगर रोड, जूनागढ़ - 362001,
गुजरात, भारत

वेबसाईट : www.dgr.org.in ईमेल : director.dgr@icar.gov.in

फैक्स : +91-285-2672550, फोन : +91-285-2673041

Published by:

Director

ICAR-Directorate of Groundnut Research
(An ISO 9001:2015 Certified Institute)
PO Box 5, Ivnagar Road, Junagadh- 362001,
Gujarat, India

Website: www.dgr.org.in,

E-mail : director.dgr@icar.gov.in

Fax: +91-285-2672550, Phone: +91-285-2673041

भा.कृ.अनु.प.-मूँ.अ.नि. मे आयोजित किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम सह किसान गोष्ठी

Farmer training programme cum Kisan Goshti conducted at ICAR-DGR

आईसीएआर - डीजीआर ने डीजीआर - एससीएसपी उपयोजना के तहत अनुसूचित जाति के किसानों के लिए “खरीफ मूँगफली के स्थायी उत्पादन के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों” पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सह किसान गोष्ठी का

आयोजन किया। यह प्रशिक्षण

22.07.2021 -24.07.2021

के बीच आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. के.के.

पाल (प्रधान वैज्ञानिक, नोडल

अधिकारी -एससीएसपी) के

परिचयात्मक भाषण से हुई।

कार्यक्रम के पहले दिन वासपडा

गांव के 24 और तोरानिया गांव के

19 अनुसूचित जाति के किसानों ने भाग लिया: दूसरे दिन धनफुलिया गांव के 29, और

चिरोडा गांव के 24 अनुसूचित जाति के किसानों ने भाग लिया: प्रशिक्षण कार्यक्रम के

तीसरे दिन डूंगरपुर गांव के 44 अनुसूचित जाति के किसानों ने भाग लिया। किसानों को

मूँगफली उत्पादन, कीट और रोग प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, गुजरात की विभिन्न

उन्नत मूँगफली किस्मों, पोषण संबंधी विकारों के प्रबंधन और जैव उर्वरकों की विभिन्न

हालिया तकनीकों के लिए प्रशिक्षित किया गया था। कार्यक्रम के अंत में किसानों को कृषि

किट, पैम्फलेट और कृषि विस्तार सामग्री वितरित की गई।

ICAR-DGR conducted a three-day training programme cum Kisan Goshti on “Improved technologies for sustainable production of *kharif* groundnut” for scheduled caste farmers under DGR- SCSP subplan. The training programme was

held between the dates

22nd - 24th July, 2021.

The programme

started with

introductory

remarks by Dr. KK

Pal (Principal

Scientist, Nodal

Officer-SCSP).

About 24 SC

farmers from

Vasapda village, 19

SC farmers from

Toraniya village

participated on the 1st day; 29 SC farmers from Dhanfuliya

village, 24 SC farmers from Chiroda village participated on

the 2nd day; 44 SC farmers from Dungarpur village

participated on 3rd day of the training programme. The

farmers received exposé on various recent technologies of

groundnut production, pests and disease management, soil

health cards, different promising groundnut varieties of

Gujarat, management of nutritional disorders and

biofertilizers. At the end of the programme, farming kits,

pamphlets and extension materials, were distributed to the

farmers.



मूँगफली किस्मों में SCMR और SCA की विविधता : WUE के योग्य क्रियात्मक निर्धारक

सूखा, एक महत्वपूर्ण अजैविक तनाव है जो ज्यादातर वर्षा आधारित फसलों के विकास के सभी चरणों में प्रभावित करता है। प्रजनन और फली विकास सबसे संवेदनशील चरण हैं। मूँगफली, जो एक वर्षा आधारित तिलहन फसल है अक्सर सूखे से प्रभावित होती है। इसलिए, सूखा प्रवण क्षेत्रों के लिए जल कुशल किस्मों की आवश्यकता है। मृदा पौधा विश्लेषणात्मक विकास (एसपीएडी), क्लोरोफिल मीटर रीडिंग (एससीएमआर) और विशिष्ट पत्ती क्षेत्र (एसएलए) सूखा सहिष्णुता प्रजनन किस्मों के विकास के लिए वाष्पोत्सर्जन दक्षता को मापने के लिए उचित विकल्प है।

एससीएमआर और एसएलए के लिए आनुवंशिक परिवर्तिता का अध्ययन करने के लिए भा.कृ.अनु.प. मूँगफली अनुसंधान निदेशालय जूनागढ़ में 2017 से 2019 तक 96 मूँगफली की किस्मों शामिल की गई। मूँगफली की किस्मों में एससीएमआर और एसएलए के लिए महत्वपूर्ण अंतर विभिन्न वर्षों के बिच देखा गया। उच्चतम एससीएमआर वर्जीनिया रनर में देखा गया, उसके बाद वर्जीनिया बंच और स्पेनिश बंच में पाया गया। एससीएमआर में फली उपज के साथ उच्च आनुवंशिकता और उच्च सकारात्मक संबंध था, जबकि एसएलए और फली उपज में नकारात्मक संबंध पाया गया। इसलिए जल कुशल किस्मों को विकसित करने में एससीएमआर एसएलए की तुलना में ज्यादा उपयोगी है। उच्च एससीएमआर (35-37) वाले जर्मप्लाज्म में एनआरसीजी 17150, एनआरसीजी 17107, एनआरसीजी 17201, एनआरसीजी 17275 स्पेनिश बंच ग्रुप में तथा वर्जीनिया रनर ग्रुप में एनआरसीजी 10059, एनआरसीजी 14467 और एनआरसीजी 10085 शामिल हैं। सूखा सहिष्णु मूँगफली के प्रजनन के लिए जर्मप्लाज्म में निम्न एसएलए आवश्यक हैं, एनआरसीजी 17201, एनआरसीजी 17107 एनआरसीजी 17253 एनआरसीजी 14485 और एनआरसीजी 17152 में कम एसएलए ($189-208 \text{ cm}^2/\text{g}$) पाया गया।

इनपुट्स: गंगाधर के, सुष्मिता सिंह, अजय बी.सी., नरेंद्र कुमार, कोना प्रवीण और कीर्ति रानी

Varietal Differences in SCMR/SLA: Pertinent Physiological Determinants of WUE

Drought, an important abiotic stress affects mostly rain fed crops at all the stages of development. Reproductive and pod development stages are most sensitive stages.

Groundnut, being rainfed oilseed crop often gets affected by drought. So, water use efficient cultivars are very essential to sustain in the drought prone areas. Soil plant analytical development (SPAD) chlorophyll meter reading (SCMR) and specific leaf area (SLA) are amongst easily measurable surrogates of transpiration efficiency used in breeding varieties for drought tolerance

In order to study the genetic variability for SCMR and SLA 96 groundnut cultivars consisted of four market types from 2017 to 2019 at ICAR Directorate of Groundnut Research Junagadh. The significant differences observed for SCMR and SLA among groundnut accessions across years. Highest SCMR was observed in Virginia Runner followed by Virginia Bunch and Spanish bunch. SCMR had high heritability and high positive correlation with pod yield, where as SLA correlated with negatively with pod yield. Hence, SCMR is most useful physiological trait than SLA in developing water use efficient varieties. Germplasm accessions showing higher SCMR (35-37) are NRCG 17150, NRCG 17107, NRCG 17201, NRCG 17275 in SB group and NRCG 10059, NRCG 14467, NRCG 10085 in VR group. Low SLA germplasm are preferred for breeding drought tolerant groundnut accessions NRCG 17201, NRCG 17107, NRCG 17253, NRCG 14485, NRCG 17152 had low SLA ($189-208 \text{ cm}^2 \text{ g}^{-1}$).

Inputs: Gangadhara, K, Sushmita Singh, Ajay, B.C, Narendra Kumar, Kona Praveen and Kirti Rani

भा.कृ.अनु.प. - मूँगफली अनुसंधान निदेशालय में वृक्षारोपण अभियान तथा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

Tree plantation campaign-cum-Awareness program conducted at ICAR-DGR

आईसीएआर - डीजीआर में भा.कृ.अनु.प. स्थापना दिवस (16-07-2021) और भारतीय स्वतंत्रता के 75 वर्ष आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर वृक्षारोपण अभियान तथा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन का विषय “हर मेड़ पर पेड़” था। इस कार्यक्रम में संस्थान के लगभग 45 कर्मचारियों ने भाग लिया। बादाम, इमली, आम, अमरुद, आंवला और अनार इत्यादि के विभिन्न पौधे भा.कृ.अनु.प. मूँअनु.नि. क्षेत्र की सड़कों और जल निकास नालियों के किनारे, आंवला बागे और अतिथि भवन के पास लगाए गए। कर्मचारियों को जलवायु परिवर्तन से निपटने में वानिकी की भूमिका के बारे में बताया गया। कुल मिलाकर कार्यक्रम पूर्ण रूप से सफल रहा।

Tree plantation campaign-cum-Awareness program was organized at ICAR-DGR on occasion of ICAR Foundation Day (16.07.2021) and Celebration of 75 years of Indian Independence-Azadi Ka Amrut Mahotsav. The theme of the event was Har Med Par Ped. About 45 Staff from the Institute participated in the event. Different saplings of Badam, Imli, Mango, Guava, Gooseberry and Pomegranate *etc.* were planted near guest house, in the Amla Orchard on the side of farm. The staff was enlightened about the role of forestry in combating climate change. Overall the program was an impeccable success



ईनपुट : किरण रेड्डी और अनंत कुरेल्ला

Inputs: Kiran Reddy and Ananth Kurella

मूँगफली दूसरी सबसे महत्वपूर्ण तिलहन फसल है, जो लगभग मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र में उगाई जाती है और 1422 kg/ha की औसत उत्पादकता से लगभग 6.7 मिलियन टन उत्पादन में योगदान करती है। हालांकि भारत ने नब्बे दशक की शुरुआत में टीएमओ के समग्र प्रयासों से आत्मनिर्भरता हासिल की। तेजी से बढ़ते शहरीकरण और बढ़ती आबादी के साथ भोजन और तेल की मांग को पूरा करने के लिए उत्तर भारत के गैर-परंपरागत क्षेत्रों में रबी ऋतु की बची हुई नमी और ग्रीष्म व बसंत ऋतु की सिंचित स्थितियों में मूँगफली के क्षेत्र का विस्तार करने के बहुत अवसर हैं।

डीसा (गुजरात), मोहनपुर (पश्चिम बंगाल) के आलू परती क्षेत्रों और जूनागढ़ में ग्रीष्म सिंचित परिस्थितियों में ग्रीष्म 2020 के दौरान उन्नीस उन्नत प्रजनन लाइनों की जांच की गई। उन्नत प्रजनन लाइनें, पीबीएस 16044, पीबीएस 11092, पीबीएस 11077, पीबीएस 3002 और पीबीएस 14080 ने मोहनपुर, पश्चिम बंगाल में जेएल 501 के बराबर फली की उपज का उत्पादन किया। जूनागढ़ में उन्नत प्रजनन लाइनें पीबीएस 15050, पीबीएस 11077, पीबीएस 16004, पीबीएस 14060, पीबीएस 14080, पीबीएस 30002 और एनआरसीजी सीएस 254 में समान उपज का उत्पादन हुआ।

चित्र : खेती के लिए आलू परती में क्षमतावान मूँगफली की उन्नत प्रजनन लाइनें

Groundnut, second most important oilseed crop occupying an area of about 47 mha and contributing nearly 67 mt production with average productivity of 1422 kg/ha. Though India achieved self-sufficiency during early nineties with the holistic efforts of TMO, with rapid urbanization and ever-growing population to meet the demands for food and oils, there is much scope for expanding the groundnut areas to non-traditional areas of North India, during *Rabi* season under residual moisture conditions, summer irrigated and spring irrigated conditions. Nineteen advanced breeding lines were screened in potato fallows of Deesa, Gujarat, Mohanpur, West Bengal and summer irrigated conditions of Junagadh during summer 2020. Advanced breeding lines, PBS 16044, PBS 11092, PBS 11077, PBS 3002 and PBS 14080 showed at par pod yield with JL 501 in Mohanpur, West Bengal. Advanced breeding lines PBS 15050, PBS 11077, PBS 16004, PBS 16020, PBS 14060, PBS 14080, PBS 30002 and NRCG CS 254 showed at par yield in Junagadh.

Fig: Potential groundnut advanced breeding lines for cultivation in potato fallow cropping systems



इनपुट्स : गंगाधर, के., किरण कुमार रेड्डी, नटराज, एम.वी., के.के. पाल, अजय, बी.सी., कोना प्रवीण, नरेंद्र कुमार, सुष्मिता सिंह और कीर्ति रानी

Inputs: Gangadhar, K., Kiran kumar Reddy, Nataraja, M. V., K. K. Pal, Ajay, B.C.,

Kona Praveen, Narendra Kumar, Sushmita Singh and Kirti Rani

भा.कृ.अनु.प.-मूँगफली अनुसंधान निदेशालय में 28-30 जुलाई तक तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम-सह-किसान गोष्ठी का आयोजन

Farmer training programme cum Kisan Goshti conducted at ICAR-DGR, From 28-30th July

एससीएसपी (SCSP) कार्यक्रम के तहत भाकृअनुप-मूँगफली अनुसंधान निदेशालय, जूनागढ़ में 28-30 जुलाई, 2021 से “लाभकारी खरीफ मूँगफली के लिए उन्नत उत्पादन पद्धतियाँ” विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम -सह - किसान गोष्ठी आयोजित की गयी। पहले दिन, बांधडा गांव के 40, कुकराश गांव के 08 और बलियावाड गांव के 08 अनुसूचित जाति के किसानों (27.07.2021) ने भाग लिया। दूसरे दिन, मेंडरडा, सुखपुर और मजेवडी गांव के कुल 80 किसानों ने हिस्सा लिया। तीसरे दिन, धराबावाड और मोहबतपुर गांव के कुल 26 किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. के.के.पाल (अध्यक्ष, एससीएसपी) की परिचयात्मक टिप्पणियों के साथ हुई। कार्यक्रम के दौरान आयोजित कई व्याख्यान के माध्यम से किस्मों, जैव उर्वरकों के महत्व तथा कीट, रोगों और पोषण संबंधी विकारों के प्रबंधन के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम का समापन कृषि किट, पर्चे और विस्तार सामग्री के वितरण के साथ हुआ।

A Three-day training programme-cum Kisan Goshti on "Improved production practices for remunerative *kharif* groundnut was conducted at ICAR-DGR, Junagadh from 28-30th July, 2021 under SCSP programme. On Day 1, 40 SC farmers from Bandhda village, 08 SC farmers from Kukrash village and 08 SC farmers from Baliyawad Village (27.07.21) participated. The day 2 comprised of total 80 farmers from the villages Mendarda, Sukhpur and Majevasi. On Day 3, a total of 26 farmers from villages Dhrabawad and Mohabatpur participated. The programme started with introductory remarks made by Dr. KK Pal (Chairman, SCSP). The farmers were sensitized about the recent technologies of groundnut production, promising varieties, importance of biofertilizers and management of pests, diseases and nutritional disorders through a number of lectures organized during the training programme. The programme ended with distribution of farming kits, pamphlets and extension materials.



75 वें स्वतंत्रता दिवस -2021 के अवसर पर भा.कृ.अनु.प.-मूँगफली अनुसंधान निदेशालय, क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, बीकानेर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

National flag hoisted at ICAR-DGR RRS, Bikaner on the occasion of 75th Independence Day-2021

भा.कृ.अनु.प.-मूँगफली अनुसंधान निदेशालय जूनागढ़ ने बीकानेर में क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र की स्थापना की है। डॉ. नरेंद्र कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक और प्रभारी ने पहली बार क्षेत्रीय अनुसंधान स्टेशन, बीकानेर में तिरंगा फहराया और संस्थान के काम के प्रति समर्पण और किसान समुदाय को प्रौद्योगिक के हस्तांतरण के लिए कर्मचारियों को संबोधित किया। इस अवसर पर डॉ. राजा राम चौधरी, वैज्ञानिक, सस्य विज्ञान, श्री लेखराम और श्री राजेन्द्र प्रसाद जाट, वाईपी-1 भी उपस्थित थे और उन्होंने कार्यालय भवन के आसपास वृक्षारोपण भी किया।

ICAR-Directorate of Groundnut Research, Junagadh has established Regional Research Station (RRS) at Bikaner. Dr. Narendra Kumar, Senior Scientist & Incharge, RRS, Bikaner hoisted India's flag for the first time at Regional Research Station, Bikaner and address the staff for dedication towards work of the institute and transfer of technology to the farmers community. On this occasion, Dr. Raja Ram Choudhary, Scientist, Agronomy, Mr. Lekhram and Mr. Rajendra Prasad Jat, YP-I's were also present and tree plantation was done around the office building.



Source: Dr. Narendra Kumar

भा.कृ.अनु.प. - केन्द्रीय शुष्क भूमि कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक द्वारा
भा.कृ.अनु.प.-मूँगफली अनुसंधान निदेशालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, अनंतपुर का दौरा

भा.कृ.अनु.प. - केन्द्रीय शुष्क भूमि कृषि अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के निदेशक डॉ.वी.के.सिंह एवं डॉ. रविन्द्र चारी, परियोजना समन्वयक, अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना-शुष्क भूमि कृषि, हैदराबाद द्वारा 31/08/2021 को भा.कृ.अनु.प.- मूँगफली अनुसंधान निदेशालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र अनंतपुर के प्रायोगिक कार्य का निरीक्षण किया गया। मूँगफली अनुसंधान निदेशालय के सभी प्रयोगों को अच्छी तरह से खरपतवार मुक्त रखा गया था जिसकी सराहना केशु भूकृ.अनु.संस्थान (CRIDA) के निदेशक द्वारा की गई Poly 4 बाह्य परियोजना के अंतर्गत अधिक जानकारी उत्पन्न करने के मार्गों का सुझाव दिया गया।

इनपुट्स : राजन्ना जी.ए.

Visit of Director, ICAR-CRIDA,
Hyderabad to ICAR-DGR, RRS, Ananthapur

Dr. V.K. Singh, Director, ICAR-Central Research Institute for Dryland Agriculture (CRIDA), Hyderabad and Dr. Ravindra Chary, Project Coordinator, All India Coordinated Research Project on Dryland Agriculture (AICRPDA), Hyderabad visited experiments of ICAR-DGR, RRS, Ananthapur on 31-08-2021. The experiments were well maintained with weed free conditions and Director of CRIDA appreciated the experiments of DGR and suggested ways to generate more information under Poly 4 external project experiment.

Inputs: Rajanna G.A.



फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0" सितम्बर, 2021

अवर सचिव (GAC), भा.कृ.अनु.प. से ग्राम कार्यालय आदेश मिशिल संख्या F.No.21-5112021-CDN Date: -23. 08.2021 23-08-2021 के सन्दर्भ में और खेल विभाग, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार के दिए गए दिशा निर्देशों के अनुसार फिट इंडिया मिशन द्वारा 75 वा स्वतंत्रता दिवस - "आजादी का अमृत महोत्सव" मनाने के लिए "फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0 की संकल्पना की गई।

"FIT INDIA FREEDOM RUN 2.0"
organized on 29 September 2021

In reference to office order F.No.21-5112021-CDN Date: - 23.08.2021 from Under Secretary (GAC), ICAR and guidelines given by Government of India, Ministry of Youth and Department of Sports, FIT India Mission conceptualized "FIT INDIA FREEDOM RUN 2.0" to commemorate the 75th Independence Day - "Azadi Ka Amrit Mahotsav".



संकल्पना पर 13 अगस्त से 2 अक्टूबर तक राष्ट्रव्यापी अभियान निरंतरता के संबंध में 29 सितंबर 2021 को सुबह 7.30 बजे भा.कृ.अनु.प. -मूँगफली अनुसंधान निदेशालय, जूनागढ़, गुजरात ने 'फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0' का आयोजन किया गया। डीजीआर के कर्मचारियों ने कार्यक्रम में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के लिए 95 व्यक्तियों (84 पुरुष और 11 महिलाएं) ने दर्ज किया था लेकिन पिछले रात की दौरान हुई भारी बारिश के कारण सिर्फ 67 (63 पुरुष और 4 महिलाएं) ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। 45 वर्ष के उपर की श्रेणी में श्री. सुरेश राघवजी (प्रथम), श्री एन.के.चुडासमा (द्वितीय) और श्री. अमीन पीरमहमद (तृतीय) विजेता हुए, सुहेल अहमद (प्रथम), श्री लोकेश कुमार (द्वितीय) और श्री अनुपम चौबे (तृतीय) 45 वर्ष से कम की श्रेणी में विजेता हुए महिलाओं की श्रेणी में श्रीमती शांता करशन ओडेदरा (प्रथम), मंजुला चिमण (द्वितीय), एवं श्रीमती रोजन अल्लारखा (तृतीय) विजेता हुई



75
आज़ादी का
अमृत महोत्सव

इनपुट्स : डॉ. हरीश जी

Nationwide campaigning on the concept of “Physical / Virtual Run” in continuum from 13th August to 2nd October 2021 to encourage fitness was done. In this regard ICAR- Directorate of Groundnut Research, Junagadh, Gujarat had organized “FIT INDIA FREEDOM RUN 2.0” on 29th September 2021 at 7:30 AM. DGR staff actively participated in the event. 95 persons (84 men and 11 women) had registered for the event, but due to heavy rains during previous night only 67 (63 men and 4 women) took part in the event. Sh. Suresh Ragavji (First), Shri N.K. Chudasama (Second) and Sh. Amin Pirmahamad (Third) were winners in above 45 years category while Suhail Ahmad (First), Sh. Lokesh Kumar (Second) and Sh. Anupam Chaubey (Third) were winners in below 45 years category. Smt. Shanta Karshan Odedara (first), Manjula Chiman (Second) and Smt. Roshan Allarakha (Third) in were the winner women category,



Source: Dr. Harish G

मर्मिथिड्स कीट के परजीवी होते हैं, जो हमेशा अपने मेजबान कीट को मारते हैं। वे कीटों की विस्तृत श्रृंखला पर हमला करने के लिए जाने जाते हैं जैसे कोलियोप्टेरा, ओर्थोप्टेरा, डिप्टेरा, हेमिप्टेरा और लेपिडोप्टेरा। खरीफ 2021 के दौरान देखा गया कि जिगजैग लेडीबर्ड बीटल के प्यूपा, कीलोमेनस सेक्समैकुलाटा (फैब्रिकियस) (कोलियोप्टेरा : कोकिनेलिटे) को मर्मिथिड नेमाटोड द्वारा परजीवीत है। संक्रमित प्यूपा भूरे से काले रंग का हो गया और नेमाटोड पहले उदर खंड के स्पाइराकल्स से निकले। पहले मर्मिथिड्स हेलिकोवर्पा लार्वा पर देखे गए थे, लेकिन इस दौरान हमने लेडी बर्ड प्यूपा पर एक हाइपरपरसाइड देखा। प्यूपा कीड़ों की गतिहीन अवस्थाएँ होती हैं जहाँ लार्वा से वयस्क में परिवर्तन होता है। लेडी बर्ड प्यूपा मूँगफली के पत्तों पर देखा गया था, इसलिए इस अवस्था में संक्रमण मुश्किल होता है। मर्मिथिड नेमाटोड के द्वारा लार्वा का संक्रमण हो सकता है और इसकी आंतरिक सामग्री को खिलाकर लार्वा के अंदर विकसित किया जा सकता है और कीट के प्यूपेशन के बाद पहले उदर खंड पर स्पाइराकल के माध्यम से बाहर निकलने के दौरान उनके मेजबान को मार दिया है। इसलिए यह एक लार्वा प्यूपल हाइपर परजीवी मर्मिथिड नेमाटोड है।



मर्मिथिड नेमाटोड कीलोमेनस सेक्समैकुलाटा के प्यूपा से बाहर निकलते हुए

Mermethid nematode emerging from pupa of *Cheilomenes sexmaculata*

Mermithids are obligate parasites of insect, which invariably kill their insect host. They are known to attack wide range of insects belonging to the order, Coleoptera, Orthoptera, Diptera, Hemiptera and Lepidoptera. During *Kharif* 2021 we observed that pupa of Zigzag ladybird beetle, *Cheilomenes sexmaculata* (Fabricius) (Coleoptera: Coccinellidae) were parasitized by mermithid nematodes. The infected pupa turned brown to blackish in colour and the nematodes emerged from spiracles of first abdominal segment. Previously mermithids were observed on *Helicoverpa* larva, but during this time we observed a hyperparasite on lady bird pupa. Pupa are immobile stages of insects where transformation from larva to adult takes place. Lady bird pupa were seen on top of groundnut leaves, hence infection during this stage is difficult. Mermithid nematodes might have infected larva and developed inside the larva by feeding on its internal contents and after pupation of the insect mermithids have emerged out of the insect through spiracle opening on first abdominal segment in the event they have killed their host. Hence, this is a larval pupal hyper parasitic mermithid nematode.

इन्पुट्स : डॉ. हरीश जी.

Input: Dr. Harish G

भा.कृ.अनु.प.- मूँगफली अनुसंधान निदेशालय में हिंदी सप्ताह का आयोजन 14-21 सितम्बर, 2021

हिंदी सप्ताह का आयोजन भा.कृ.अनु.प.- मूँगफली अनुसंधान निदेशालय में 14-21 सितम्बर, 2021 को किया गया जिसके अंतर्गत तीन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था : काव्य पाठ प्रतियोगिता, हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन तथा प्रश्न मंच प्रतियोगिता। इन प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार

निर्धारित किये गये थे जिसका वितरण समापन समारोह के दिन किया गया था। निदेशालय के स्टाफ ने इसमें पूर्ण उत्साह के साथ हिस्सा लिया और यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।



Conference/ webinars/ trainings

Dr. Harish G.

- Attended International Web Conference on “Innovative and Current Advances in Agriculture and Allied Sciences-2021”, 19-21, July, 2021 organized by Society for Scientific Development in Agriculture and Technology, Meerut, Uttar Pradesh
- Attended “National Seminar (hybrid mode) on “Rice fallow management in Eastern India” organized by the ICAR-Research Complex for Eastern Region, Patna, Bihar on 26th August, 2021.
- Attended National Conference on "Oil Palm - A right choice towards self-sufficiency in edible oil production" on 06th September 2021 organized by ICAR- IOPR, Pedavegi
- Attended International Webinar Conference on "Alternate Cropping Systems for Climate change and Resource Conservation" from 29 September to 01 October 2021 organized by ICAR-Indian Institute of Farming Systems Research Modipuram, Meerut-250110
- Attended International webinar on 'Desert locust Schistocerca gregaria (Forskål) International scenario and a potential threat to India' on 02.07.2021

organized by National Institute of Plant Health Management, Hyderabad

- Attended International Webinar on “Sustainable Groundwater Management: Current Challenges Around the world” on 30th July 2021 organized by Department of Soil and Water Engineering, CTAE, MPUAT, Udaipur.
- Attended International webinar on Phytosanitary Strategies for Food Security and Market Access of Fruits and Vegetables on 26th August 2021 organized by National Institute of Plant Health Management Rajendranagar, Hyderabad
- Attended International webinar on Climate Smart Agriculture from Multi-Omics Perspective on 17th September 2021 organized by Bioingene

Dr. Sushmita

- Oral presentation in 5th International Web Conference on “Advances in Agriculture, Environmental and Biosciences for Sustainable Development” on 5-7th August, organized by Agro Environmanetal Development Society, Uttar Pradesh, India

डॉ. हरीश जी

- श्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुतिकरण पुरस्कार, “इंटिग्रेटेड कम्युनिटी अप्रोच : मूँगफली में वाईट ग्रब्स के लिए सफल प्रबंधन”, खउअअअड, १९-२१ जुलाई, २०२१

- “साइंटिस्ट ओफ द इअर” अवार्ड से सम्मानित, खउअअअड १९-२१ जुलाई २०२१

प्रशिक्षण / कार्यशाला

- स्वतंत्र भारत के ७५ वे वर्षगांठ के उपलक्ष्य में किसानों के लिए भोजन एवं पोषण विषय के साथ आजादी का अमृत महोत्सव के राष्ट्रीय स्तर के अभियान के तहत २६ अगस्त २०२१ को एक दिवसीय किसान गोष्ठी कम प्रदर्शनी का आयोजन किया

- फिट इंडिया फ्रीडम रन २.० का २९ सितंबर २०२१ को आयोजन

भाकृअनुप- मूँगफली अनुसंधान निदेशालय में २८-३० जुलाई तक तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सह किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया

- किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम सह किसान गोष्ठी, २२-२४ जुलाई २०२१

कार्मिक / Personnel

सेवानिवृत्ति / Superannuation

डॉ. अमृतलाल सिंह
प्रधान वैज्ञानिक एवं निदेशक (कार्यकारी)
सेवानिवृत्ति : 31-07-2021

Dr. Amritlal Singh
Principal Scientist and Director (Acting)
Date of superannuation : July 31st, 2021



Dr. Harish G

- Received best oral presentation award for “Integrated community approach: for successful management of white grubs in peanut”, ICAAAS 2021, July 19-21, 2021.
- Received “Scientist of the year award”, ICAAAS 2021, July 19-21, 2021.

Trainings/ events organized

- One day “Kisan gosthi, Exhibition and Field day” on 16th October 2021 to celebrate “Mahila Kisan Divas” and “World food day” under Azadi ka Amrut Mohatsav.
- One day “Kisan gosthi cum exhibition” on 26th August 2021 Under National level campaign of “Azadi Ka Amrit Mahotsav” to commemorate 75th year of Independence with the theme “Food and Nutrition for Farmers”.
- Organized “FIT INDIA FREEDOM RUN 2.0” on 29th September 2021
- A Three-day training programme-cum Kisan Goshti on “Improved production practices for remunerative kharif groundnut” from 28-30th July, 2021 at ICAR-DGR, Junagadh.
- A Three-day training programme cum Kisan Goshti on “Improved technologies for sustainable production of kharif groundnut” from 22nd-24th July, 2021 at ICAR-DGR, Junagadh.

नियुक्ति / Appointment

डॉ एस. के. बेरा,
प्रधान वैज्ञानिक एवं विभाग प्रमुख (फसल सुधार)
ने 01-08-2021 से निदेशक (कार्यकारी) का पदभार ग्रहण किया
Dr. S.K. Bera,
Principal Scientist and Head (Crop Improvement),
took the charge as Director (Acting)
on August 01, 2021



Agrisearch with a human touch

हर कदम, हर डगर
किसानों का हमसफर
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

